"शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं उनके व्यक्तित्व प्रतिरूप में सम्बन्ध"

डॉ. मोहन लाल जाट
सहायक आचार्य (शिक्षा)
विद्या भवन, गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान,
उदयपुर (राज.)

भूपेन्द्र सिंह
शोधार्थी
मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राज.)

सारांश-

सामाजिक भय जिसे अंग्रेजी में सोशियल फोबिया कहा जाता है। यह एक मानसिक विकार है जिसे अन्य अर्थों में सोशियल एन्जायिटी डिसआर्डर भी कहते हैं इस विकार के कारण व्यक्ति का व्यक्तित्व अनेक लक्षणों से प्रभावित होकर असन्तुलित हो जाता है। जब व्यक्ति सामाजिक भय का शिकार होगा तो पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण भी नहीं हो पाता। व्यक्ति के व्यक्तित्व के अनेक प्रतिरूप ऐसे हैं जिन पर सोशियल फोबिया का प्रभाव पड़ता है। प्रस्तुत शोध कार्य का उददेश्य 'शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी एवं सी के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श के रूप में जयपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 150 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि द्वारा लिया गया है। दत्त संकलन हेतु डॉ. देवेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं श्री धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा निर्मित 'सामाजिक भय मापनी' एवं श्री अरूण कुमार सिंह एवं अशोक कुमार द्वारा निर्मित 'व्यक्तित्व प्रतिरूप (ए. बी. एवं सी. प्रकार)' हिन्दी वर्जन मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया है। दत्तों के विश्लेषण हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण कर सह-सम्बन्ध गुणांक सांख्यिकी का प्रयोग कर निष्कर्ष प्राप्त किये गये हैं। निष्कर्ष में पाया कि शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी, सी, के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया। शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया। शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया। शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य सार्थक सम्बन्ध पाया गया।

विशिष्ट शब्दावली- सामाजिक भय, व्यक्तित्व प्रतिरूप, शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, विद्यार्थी

प्रस्तावना-

सामाजिक भय जिसे अंग्रेजी में सोशियल फोबिया कहा जाता है। यह एक मानसिक विकार है जिसे अन्य अर्थों में सोशियल एन्जायिटी डिसआर्डर भी कहते हैं इस विकार के कारण व्यक्ति का व्यक्तित्व अनेक लक्षणों से प्रभावित होकर असन्तुलित हो जाता है। सामाजिक भय में व्यक्ति को समाज से डर लगता है, लोगों से डर लगता है। लोगों से व समाज से मिलना जुलना पसन्द नहीं करता, उनसे बात करना भी ज्यादा पसन्द नहीं करता। वह अकेले रहना पसन्द करता है। यही सामाजिक डर धीरे-धीरे डिसऑर्डर में बदल जाता है। सोशियल फोबिया दूसरे की अपेक्षाओं पर

खरे उतरने का डर है। यह भारत में आम समस्या है। जब व्यक्ति सामाजिक भय का शिकार होगा तो पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण भी नहीं हो पाता। व्यक्ति के व्यक्तित्व के अनेक प्रतिरूप ऐसे हैं जिन पर सोशियल फोबिया का प्रभाव पड़ता है।

अतः सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप में सम्बन्ध ज्ञात करने हेतु प्रस्तुत शोध कार्य का विषय "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं उनके व्यक्तित्व प्रतिरूप में सम्बन्ध" चुना है।

समस्या का औचित्य-

वर्तमान समाज का स्वरूप मनुष्य जीवन के व्यक्तिगत एवं सामाजिक दोनों पक्षों को प्रभावित कर रहा है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लगातार दबाव में वृद्धि होती जा रही है। वर्तमान समय में मानव विकास, आधुनिक तकनीक पर निर्भर होता जा रहा है। जिसके कारण भावात्मक, बौद्धिक व शारीरिक दबाव बढ़ता ही जा रहा है। समाज का प्रत्येक वर्ग आज इस दबाव व तनाव का शिकार है। युवा वर्गको आज अनेक समस्याओं का सामना करना पडता है। जिसके कारण उनमें मानसिक अशांति, क्रोध, तनाव, चिन्तन, एकाकीपन आदि अनेक समस्याओं का जन्म होता है।

सामाजिक मापदंडों में भी यह देखा गया है कि सामाजिक भय का विस्तार बढ़ रहा है सामाजिक भय के कारण व्यक्ति का व्यक्तित्व नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। जिसके कारण उनके शैक्षिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, चारित्रिक आदि सभी प्रकार के विकास का मार्ग अवरूद्ध हो रहा है। अत: इस समस्या का समाधान करने पर विचार किया जाना चाहिए।

वर्तमान समय प्रतिस्पर्द्धा का युग है। प्रत्येक विद्यार्थी का यह प्रयास रहता है कि वह जीवन में अधिक से अधिक सफलता प्राप्त करे। यही विचार सामाजिक भय का कारण भी बन जाता है।

प्रस्तुत शोध कार्य "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं उनके व्यक्तित्व प्रतिरूप में सम्बन्ध" का अध्ययन करना है। जिससे यह पता लगाया जा सके कि शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सामाजिक भय का उनके व्यक्तित्व प्रतिरूप पर क्या प्रभाव पड़ता है? क्या विद्यार्थियों के सामाजिक भय से उनका व्यक्तित्व सकारात्मक एवं नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है? प्रस्तुत शोध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप का सम्बन्ध ज्ञात किया जाकर समस्या का पता लगाकर इसे दूर करने हेतु सुझाव दिया जाने का प्रयास किया जायेगा। प्रस्तुत शोध कार्य नीति-निर्माताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं भावी अनुसंधानकर्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। अत: प्रस्तुत शोध का विषय वर्तमान में औचित्यपूर्ण है।

शोध के उद्देश्य-

शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी एवं सी के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ-

1. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी, सी, के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
2. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
3. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
4. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि-

प्रस्तुत शोध की प्रकृति को देखते हुए शोधकर्ता द्वारा **सर्वेक्षण/वर्णात्मक अनुसंधान विधि** का उपयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श-

शोधकर्ता द्वारा अध्ययन में **यादृच्छिक न्यादर्श** का प्रयोग किया गया है। शोधकर्ता द्वारा न्यादर्श के रूप में जयपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के बी.एड. के 150 विद्यार्थियों को लिया है। जिसमें 75 छात्र एवं 75 छात्राएं हैं।

शोध में प्रयुक्त उपकरण-

1. सामाजिक भय मापनी- डॉ. देवेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं श्री धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा निर्मित, नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन, आगरा द्वारा प्रकाशित 'सामाजिक भय मापनी' प्रमापीकृत उपकरण।

2. व्यक्तित्व प्रतिरूप (ए. बी. एवं सी. प्रकार)- श्री अरूण कुमार सिंह एवं अशोक कुमार द्वारा निर्मित, नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन, आगरा द्वारा प्रकाशित 'व्यक्तित्व प्रतिरूप मापनी' प्रमापीकृत उपकरण।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत अध्ययन में सह-सम्बन्ध गुणांक सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध की सामग्री का विश्लेषण एवं व्याख्या-

परिकल्पना संख्या- 1. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी, सी, के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका संख्या-1

समूह (Group)	संख्या (N)	सह-सम्बन्ध गुणांक (Co-relation)	सार्थक अन्तर 0.05/0.01	स्वीकृत/ अस्वीकृत
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए,बी,सी के मध्य सम्बन्ध	150	0.13	0.05=0.16	स्वीकृत
			0.01=0.21	स्वीकृत

(df = N-2) = 150-2 = 148

तालिका संख्या 1 में शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी.एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए,बी,सी के मध्य सम्बन्ध से प्राप्त परिणामों को सारणीबद्ध किया गया है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्राप्त सह-सम्बन्ध गुणांक 0.13 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अंश 148 पर 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सह-सम्बन्ध मान 0.16 एवं 0.21 से कम है तथा धनात्मक नगण्य सह-सम्बन्ध को दर्शाता है। अतः परिकल्पना "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए,बी,सी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है" सह-सम्बन्ध तालिका में दिये गये मान के दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या- 2. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका संख्या 2

समूह (Group)	संख्या (N)	सह-सम्बन्ध गुणांक (Co-relation)	सार्थक अन्तर 0.05/0.01	स्वीकृत/ अस्वीकृत
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य सम्बन्ध	150	0.02	0.05=0.16	स्वीकृत
			0.01=0.21	स्वीकृत

(df = N-2) = 150-2 = 148

तालिका संख्या 2 में शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी.एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य सम्बन्ध से प्राप्त परिणामों को सारणीबद्ध किया गया है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्राप्त सह-सम्बन्ध गुणांक 0.02 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अंश 148 पर 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सह-सम्बन्ध मान 0.16 एवं 0.21 से कम है तथा धनात्मक नगण्य सह-सम्बन्ध को दर्शाता है। अतः परिकल्पना "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है" सह-सम्बन्ध तालिका में दिये गये मान के दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या- 3. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका संख्या 3

समूह (Group)	संख्या (N)	सह-सम्बन्ध गुणांक (Co-relation)	सार्थक अन्तर 0.05/0.01	स्वीकृत/ अस्वीकृत
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य सम्बन्ध	150	-0.04	0.05=0.16	स्वीकृत
			0.01=0.21	स्वीकृत

(df = N-2) = 150-2 = 148

तालिका संख्या 3 में शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी.एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य सम्बन्ध से प्राप्त परिणामों को सारणीबद्ध किया गया है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्राप्त सह-सम्बन्ध गुणांक -0.04 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अंश 148 पर 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सह-सम्बन्ध मान 0.16 एवं 0.21 से कम है तथा ऋणात्मक नगण्य सह-सम्बन्ध को दर्शाता है। अतः परिकल्पना "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है" सह-सम्बन्ध तालिका में दिये गये मान के दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या- 4. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

तालिका संख्या 4

समूह (Group)	संख्या (N)	सह-सम्बन्ध गुणांक (Co-relation)	सार्थक अन्तर 0.05/0.01	स्वीकृत/ अस्वीकृत
शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य सम्बन्ध	150	0.27	0.05=0.16	अस्वीकृत
			0.01=0.21	अस्वीकृत

(df = N-2) = 150-2 = 148

तालिका संख्या 4 में शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी.एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य सम्बन्ध से प्राप्त परिणामों को सारणीबद्ध किया गया है तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्राप्त सह-सम्बन्ध गुणांक 0.27 प्राप्त हुआ, जो स्वतंत्रता के अंश 148 पर 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सह-सम्बन्ध मान 0.16 एवं 0.21 से अधिक है तथा धनात्मक निम्न सह-सम्बन्ध को दर्शाता है। अतः परिकल्पना "शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है" सह-सम्बन्ध तालिका में दिये गये मान के दोनों स्तर पर अस्वीकृत की जाती है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष-

1. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए, बी, सी, के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया।
2. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-ए के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया।
3. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-बी के मध्य सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया गया।
4. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत बी. एड. के विद्यार्थियों में सामाजिक भय एवं व्यक्तित्व प्रतिरूप-सी के मध्य सार्थक सम्बन्ध पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- ए. बी. भटनागर एवं मीनाक्षी भटनागर (2004) : शिक्षण व अधिगम का मनोविज्ञान, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।

- एफ. एन. करलिंगर (1995) : फाउण्डेशन ऑफ बिहेवियरल रिसर्च, न्यूयार्क, हाल्ट रिनी हर्ट व विल्सन।
- जगेटिया नंदिनी, तोमर नित्या एवं सिंह समिधा (2019) : स्वयं की समझ, जयपुर, ठाकुर पब्लिकेशन।
- पाटिल, अशोक डी. एवं भदौरिया, एस. एस. (2009) : समाजशास्त्र, भोपाल, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी।
- शर्मा, गणपतराम एवं व्यास हरिश्चन्द्र (2012) : अधिगम शिक्षण और विकास के मनोसामाजिक आधार, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
- ऊषा भार्गव : *"किशोर मनोविज्ञान"*, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1993

❑❑❑